मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट

1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020

गठन व पृष्ठभूमि

मंडी जिला में साक्षरता अभियान की शुरूआत के लिए प्रयास हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए अभियान से पहले हो चुके थे। बहुचर्चित भोपाल गैस कांड ने जब सारे देश को हिला कर रख दिया था, तब राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों, बुद्धिजीवियों, लेखकों व कलाकारों को मंच पर इकट्ठा करने की जरूरत महसूस हुई। वर्ष 1987 में 26 संगठनों ने अपने आपको अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के रूप में संगठित किया ताकि लोगों को वैज्ञानिक तौर तरीकों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति बेहतर समझ विकसित की जा सके तथा समाज के विकास में उनके योगदान के प्रति अवगत करवाया जा सके। समाज में इस सोच को विकसित करने के लिए वातावरण निर्माण की जरूरत थी जो कला जत्थे कार्यक्रम ने पूरी की। पूरे देश में पांच क्षेत्रीय कला जत्थों को प्रशिक्षित किया गया तथा उनके द्वारा 25 हजार कि.मी. की दूरी तय कर 500 से ज्यादा स्थानों पर कार्यक्रम दिखाये गये। यह कार्यक्रम यूं तो प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी दिखाए गए। परंतु मंडी के लिए ये कार्यक्रम खास इसलिए थे क्योंकि मंडी के एक साथी कुलदीप गुलेरिया इसमें शामिल थे। जिला में कुछ जागरूक नवयुवकों में कुछ कर गुजरने का जुनून सा सवार हो गया। उनमें नव चेतना का संचार हुआ। ऐसा महसूस किया गया कि इन कलाजत्थों का प्रभाव शहर तक ही सीमित रहा क्योंकि ये कार्यक्रम शहरों तक सीमित रहे जबकि गांवों में इन कार्यक्रमों की अधिक जरूरत थीं तब यह सोच राज्य स्तर पर उभर कर आई कि वैज्ञानिक चेतना को गांवों तक ले जाने से पहले साक्षरता अभियान की जरूरत है। यही एक ऐसा माध्यम होगा जिसके जरिये देश के पिछड़े, दबे कुचले व शोषित आदमी तक पहुंचा जा सकता है। इस अभियान की लोकप्रियता के लिए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को केरल के अर्नाकुलम जिले में चले साक्षरता अभियान आदर्श मॉडल के रूप में मिला। इसके लिए भी जन विज्ञान जत्था चलाने की जरूरत थी ताकि वातावरण निर्माण किया जा सके। राष्ट्रीय स्तर पर डा. मालकोम आदिशेषैयया की अध्यक्षता में भारत ज्ञान विज्ञान समिति का गठन किया गया। डा. एम.पी. परमेश्वरन इसके सचिव बनाए गए।

वर्ष 1990 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता वर्ष के रूप में मनाया गया। भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से आत्म निर्भरता व राष्ट्रीय एकता के लिए विज्ञान और साक्षरता का नारा देकर देश के लगभग 6 लाख गांवों में साठ हजार केन्द्रों में भारत ज्ञान विज्ञान जत्थे आयोजित करने का आहवान किया। मंडी जिला भी

इससे अछूता नहीं रहा। साक्षरता दूत के रूप में राजेन्द्र मोहन और भूपेन्द्र सिंह ने कला जत्थे की अगुवायी की। 25 जून,1990 को जिला स्तरीय सम्मेलन में ही एक कला जत्थे का गठन हुआ जो थोड़े से प्रशिक्षण के बाद गांव गांव में साक्षरता की मशाल जलाने चल पड़ा। उसी जत्थे ने लोगों में साक्षरता के विषय को चर्चा का मुद्दा बनाया। जत्थे द्वारा तैयार नाटक कथा रामदीन के मुख्य पात्र रामदीन में गांव वालों को अपना अक्स नजर आया। तत्तकालीन उपायुक्त डा. अशोक रंजन बसु की अध्यक्षता में भारत ज्ञान विज्ञान समिति की मंडी इकाई का गठन किया गया। मंडी में यहीं से साक्षरता अभियान का सूत्रपात हुआ।

<u>साक्षरता की लौ का प्रज्ज्वलन</u>

मंडी जिले में साक्षरता अभियान के लिए जमीन पहले से तैयार हो चुकी थी। भारत ज्ञान विज्ञान समिति की मंडी इकाई पहले से मौजूद थी। परंतु हिन्दी के वरिष्ठ लेखक व सेवानिवृत प्राचार्य प्रो. सुंदर लोहिया ने इस अभियान में जुड़ने की सहमति मिलने से साक्षरता के कार्य व जागरूक नवयुवकों को अधिक बल मिला। प्रो. लोहिया हालांकि सेवानिवृति के पश्चात पत्र पत्रिकाओं के प्रकाशन से अपने को जोड़ कर लोगों में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार करने का मन बना रहे थे परंतु जिले के जनूनी नौजवानों का साक्षरता के प्रति रुझान व उनकी साक्षरता अभियान से जुड़ने की अपील को भी वे ठुकरा न सके। बहस दर बहस के बाद उनकी सहमति मिल पाई। प्रो. लोहिया की सहमति मिलते ही जिले में साक्षरता अभियान चलाने के लिसे विचार विमर्श शुरू हो गया।

यह वह समय था जब साक्षरता कर्मियों के पास न तो अपना दफतर था न ही बैठने की कोई ऐसी जगह, जहां पर बैठकर इस अभियान की कार्य योजना बनाई जा सके। ऐसी विकट परिस्थिति में साहित्यकारों की मिलन स्थली की दुकान “अलंकार” काम आयी। जहां बैठकर इस विषय पर बातचीत की जाती थी। दूसरी तरफ साक्षरता अभियान की मूल भावना को जिला प्रशासन को समझने में काफी मेहनत करनी पड़ी। क्योंकि तत्कालीन उपायुक्त श्री अजय मितल इस बात से सहमत नहीं थे कि एक साथ पूरे जिले में साक्षरता अभियान चल सकता है। उनका तर्क था कि पहले एक पंचायत को साक्षर करके दिखाओं, तब मेरे पास आना। जबकि अभियान की प्रकृति के अनुसार जिला स्तर पर साक्षरता का काम शुरू होना था साथ ही उपायुक्त का इस समिति का अध्यक्ष बनना भी जरुरी था।

<u>मंडी साक्षरता समिति का गठन</u>

हालांकि तत्कालीन भाजपा सरकार ने पूरे प्रदेश के लिए संपूर्ण साक्षरता अभियान की परियोजना राष्ट्रीय साक्षरता मिशन द्वारा स्वीकृत करवा ली थी। प्रदेश में इसकी शुरूआत 14 जून,1992 को हिमाचल विश्व विद्यालय के सभागार में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेकटरमन द्वारा साक्षरता ज्योति प्रज्जवलित की गई। परंतु जिला मंडी में 5फरवरी,1992 को विधिवत ढंग से मंडी साक्षरता समिति का गठन सोसायटी एक्ट 1860 के तहत कर दिया गया था। तत्कालीन अतिरिक्त उपायुक्त श्री जी.एस.राठौर समिति के अध्यक्ष

बने और प्रो. सुंदर लोहिया सचिव बनाए गए। फरवरी माह में ही मंडी जिला के लिए अलग से साक्षरता परियोजना तैयार की गई। आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद जन सहयोग व इधर उधर से पैसा इकठ्ठा करके निरक्षरता के खिलाफ पढ़े–लिखे लोगों को एकजुट करने का प्रयास शुरू हो चुका था।

2 से 8 मार्च,1992 में शिवरात्रि मेले के दौरान साक्षरता के प्रचार व इसके लिए माहौल बनाने तथा जन भागीदारी के लिए साक्षरता प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में आए जिला के दूर दराज के गांव के लोगों ने अपनी भागीदारी निभाने का वायदा भी किया। लोगों के उत्साह को देखकर मंडी साक्षरता समिति द्वारा पहले चरण में सदर, सुंदरनगर तथा रिवालसर में अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। दूसरे चरण में बाकि के सात खडों में अभियान चलाया गया। चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाने का उद्देश्य यह था कि प्रथम चरण के अनुभवों का दूसरे चरण में लाभ उठाया जा सके तथा जो खामियां रहेगी उन्हें दोहराया न जा सके। समिति के गठन के चार माह बाद जब पूरे राज्य में साक्षरता ज्योति को रवाना किया गया तब जून माह में ज्योति के मंडी पहुंचने पर विशाल जलूस निकाला गया।

साक्षरता अभियान के दौरान जुड़ा स्वयंसेवीयों के काफिले को जन जुड़ाव व विभिन्न स्तरों पर समिति के साथ जुड़ चुके जन समुदाय को मँच की आवश्यकता थी। साक्षरता अभियान पूर्ण हो चुका था। अतः समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि साक्षरता अभियान की परिभाषा के दुसरे बिन्दू जिसमें ''अपनी बदहाली के कारणों को समझना व इनसे मुक्ति की दिशा में संगठित होकर प्रयास करना'' इस बिन्दु की समझ के अनुसार **18 दिसम्बर,2003** में समिति का नाम बदलकर मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति रखा गया ताकि शिक्षा के साथ विकास के मुद्दे जुड़ सके। कपार्ट द्वारा प्रायोजित परियोजना जल स्त्रोतों का संरक्षण एवम् रखरखाव का कार्य किया। 1999 में समिति के साथ ज्यादातर महिलाओं का जुड़ाव हुआ था। इस जन जुड़ाव को गाँव स्तर पर ईकाई में बदलना था। अतः पिछ्ले कार्य के अनुभव के आधार पर मण्डी में स्वयं सहायता समूह बनाने का निर्णय लिया गया। 2002 में राष्ट्रीय कृषि एवम् ग्रामीण विकास बैंक के साथ जुड़कर विभिन्न परियोजनाओं में कार्य किया जा रहा है जिसमें स्वयं सहायता समूह ,किसान क्लब, संयुक्त देयता समूह, गाँव विकास कार्यक्रम, वित्तीय साक्षरता अभियान, लोहागिरी कलस्टर विकास, थाची, मुख्य है। 2009 में सूक्ष्म बीमा कार्य जीवन निगम के साथ शुरू किया है। इसके अलावा सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान,मनरेगा आई.ई.सी में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। समिति ने इन कार्यक्रमों को आम जनता ,प्रशासन,जन प्रतिनिधियों व स्वये सेवी कार्यकर्ताओं के सहयोग व मेहनत से देश में अग्रणी रूप से चलाया है। पिछ्ले 3 वर्षो में समिति को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में सर्वश्रेष्ठ कार्यो हेतु समानित भी किया गया है। जिसमें इन वर्षो में स्त्रोत प्रशिक्षण केन्द्र बैठक कक्ष,प्रशिक्षण हॉल को भी जोड़ा गया। समिति ने जन सहयोग व प्रशासन के सहयोग से अपना भवन बनाया है।

मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति का चरित्र देशभर में शुरुआत से ही अलग रहा है,जिसमें स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न, राजनैतिक विचारधारा से सहमति रखने वाले कार्यकर्ताओं से एक साथ मिलकर कार्य किया तथा व्यापक चरित्र से इस जन आन्दोलन को आगे बढ़ाया है। समिति ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया व कर रही है।

परियोजना की प्रगति व समीक्षा

सुक्ष्म बीमाः सुक्ष्म बीमा के तहत खंड बार पॉलिसियों का विवरण

क्र	खंड	1अप्रैल से 31 मार्च 2020 तक लक्ष्य	कुल पॉलिसी 31 मार्च 2020 तक
1.	बल्ह	3500	3226
2.	सदर	3500	3418
3.	सराज	3000	2713
4.	चौंतड़ा	2000	1756
5.	गोहर	3000	2522
6.	गोपालपुर	3000	2614
7.	बालीचौकी	2000	1715
8.	सुंदरनगर	2000	1924
9.	करसोग	1500	1275
10.	द्रंग	1200	1053
11.	धर्मपुर	600	486
12.	निहरी/जिला	200	120
	कुल	**25500**	**22822**

2.नाबार्ड परियोजना :–

2.1ईशक्ति परियोजनाः–

S.n.	Block	Total HG	updation	T. Bank Link	Bank Linkage	loan application	Percent age %
1	BLH	366	359	168	**198**	47	54%
2	CHR	343	336	131	212	29	60%
3	DPR	283	272	133	150	17	54%
4	DRG	338	314	186	152	44	45%
5	GHR	303	305	182	121	68	40%
6	GPR	519	517	170	349	103	68%
7	KRG	596	560	345	251	66	43%
8	SDR	790	772	444	346	94	44%
9	SNR	373	380	171	202	56	55%
10	SRJ	385	361	226	159	51	42%
	Total	**4296**	**4176**	**2156**	**2140**	**575**	**50.00%**

2.2 300संयुक्त देयता समूह

क्र	खंड	लिकेंज लक्ष्य	अब तक कुल लिकेंज
1.	सदर	50	12
2.	बल्ह	60	46
3.	सुंदरनगर	30	3
4.	करसोग	40	14
5.	धर्मपुर	30	17
6.	गोपालपुर	40	21
7.	द्रंग	10	1
8.	चौंतड़ा	10	6
9.	गोहर	10	0
10.	सराज	20	6
	कुल	**300**	**126**

बैंक खाता व सामाजिक सुरक्षा योजना की स्थिति

Sr.	Block	Total Member	With out Account no	With out Micro Insurance	With out Mobile No.
1	Balh	3206	211	1537	603
2	Chountra	2918	14	1755	1320
3	Dharmpur	2455	78	1780	1172
4	Drang	2809	71	1905	1254
5	Gohar	2530	286	1658	762
6	Gopalpur	4941	102	3332	823
7	Karsog	4491	216	2711	2163
8	Sadar	7325	233	4497	1281
9	Sunder agar	2955	171	1438	1703
10	Saraj	3102	77	1980	2148
	Total	**36732**	**1459**	**22593**	**13229**

एल0ई0डी0पी0 परियोजना डरवाड़ः

एफ0पी0ओ0 माहुंनागः–

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत नगर परिषद मंडी में इन्द्रा देवी, नेरचौक में शीतल, सुंदरनगर में गोदावरी वालिया, प्रतिभा शर्मा, जोगिन्द्र नगर में अनुराधा देवी को स्वयं सेवी के तहत मानदेय आधारित नियुक्त किया गया जिन्हें मासिक मानदेय 4,000/– रुपये दिया जाता हैं। उक्त राशि संबंधित नगर परिषद द्वारा दी जाती हैं। समिति का कार्य केवल कार्यकारी अधिकारी से स्वयं सेवियों की उपस्थिति के बाद मानदेय जारी करना हैं।

आपदा प्रबंधन

स्त्री अभियानः–

इस अभियान का शुभारंभ 18 नवम्बर,2018 को डा. साधना ठाकुर राज्य अध्यक्षा रैडक्रॉस सोसायटी (हि.प्र.) द्वारा पड्डल मंडी में किया गया । यह अभियान जिला प्रशासन मंडी द्वारा चलाया जा रहा हैं जिसमें आठ घटकों पर पंचायत स्तर पर महिला मंडलों के माध्यम से गतिविधियों का साप्ताहिक आधार पर आयोजन किये जा रहे हैं। इस अभियान को सुचारू रुप से चलाने हेतु दिनांक 29नवंबर,2018 को विपाशा सदन भ्यूली मंडी में महिला मंडलों के प्रधानों/ सचिवों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं,आशार्वकर व समिति के विकास दूतों की

प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 500 के करीब महिला मंडलों के 1350 के करीब प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्त्री अभियान के तहत सामाजिक सुरक्षा घटक में कार्य करने की जिम्मेवारी मंडी साक्षरता एवम जन विकास समिति को दी गई थी। समिति द्वारा पात्र लोगों के उपरोक्त बीमा योजना के फार्म भरवाये गये है जिसका विवरण निम्न प्रकार से हैः–

क्र.स.	योजना		संख्या
1	प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना		25570
2	प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना		2164
3	अटल पैंशन योजना		78
4	जनधन		6447
5	सुक्ष्म बीमा		30061
	कुल		64320

समिति द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां

18–20मई,2019 कटरा में अध्ययन भ्रमण

सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतर कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं, अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा बेहतर कार्य करने पर 18 से 20 मई,2019 को जम्मू कटड़ा में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें मंडी जिला से 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में भारतीय जीवन बीमा के क्षेत्रिय प्रबंधक दिल्ली ने भाग लिया।

5 जून,2019 पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण के दिवस पर समिति के जिला कार्यालय परिसर में समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा पौधरोपण किया गया तथा इसके अलावा समिति के समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा अपने अपने खंडों जल स्रोतों की सफाई व पौधरोपण किया गया।

5 जुलाई,2019

सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतर कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं को अंबाला में 5 जुलाई,2019 को प्रशिाण दिया गया जिसमें समस्त खंडों के 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

11जुलाई 2019विश्व जनसंख्या दिवस

11 जुलाई को विश्व पर्यावरण के दिवस पर जिला/खंड कार्यालयों में पौधरोपण का कार्य समिति के समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया।

12 जुलाई को,2019 को नाबार्ड के सहयोग से सदर खंड की ग्राम पंचायत बाड़ी गुमाणू में पौधरोपण का कार्य किया गया जिसमें राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक,मंडी की जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड श्रीमती सोहम प्रेमी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कुल 173 पंचायतों में 535 महिला मंडल / स्वयं सहायता समूहों द्वारा कुल 8512 पौधे लगाये

गये। 12 जुलाई को नाबार्ड के 38वें स्थापना दिवस के मौके पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला मण्डी के सदर खण्ड की बाड़ी गुमाणू पंचायत में किया गया। जिसमें स्थानीय समूहों की कुल 60 महिलाओं ने भाग लिया।

3 अगस्त, 2019

3 अगस्त को गुड़गांव में सहायक अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न खंडों से 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

8 सितंबर,2019 कार्यकर्ता सम्मान समारोह

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा 8 सितंबर,2019 को भीमाकाली मंदिर भ्यूली में कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह आयाजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि श्री अशोक ठाकुर मार्केट मेनेजर शिमला ने भाग लिया तथा समारोह की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष श्री हेंमतराज वैद्य ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय ने सुक्ष्म बीमा में बेहतर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान किये। समारोह में मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के कार्यकारिणी, साधारण सभा सदस्या, भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारियों सहित समिति के सहायक अभिकर्ताओं, ऐनीमेटरों ने भाग लिया। समारोह में सर्व प्रथम समिति के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि व उनके साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों जिनमें अध्यक्ष हिमाचल ग्रामीण बैंक, जिला विकास प्रबंधक, राष्ट्रीय और कृषि ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड को टोपी व शॉल के साथ सम्मानित किया गया। समिति के कोषाध्यक्ष श्री ललित शर्मा द्वारा मुख्य अतिथि व सम्मान समारोह में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों का स्वागत व अभिनंदन किया गया।

समिति के महासचिव श्री भीम सिंह ठाकुर द्वारा समिति की उपलब्धियां व भविष्य की कार्ययोजना बारे विस्तृत बातचीत रखी गई।

उन्होंने सूक्ष्म बीमा में लिये गये लक्ष्य को पूरा करने के लिये कार्यकर्ताओं को बधाई दी वहीं भविष्य में माईक्रो बचत को प्राथमिकता देने तथा लैप्स पॉलिसी पुर्नचलन हेतु विशेष अभियान के तौर पर 30 सितंबर 2019 तक कार्य करने का आहवान किया।

समारोह में मैनेजर सुक्ष्म बीमा मंडी श्री आर. के. ठाकुर द्वारा अपने शुभ कामना संदेश में समिति कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की दूसरी तरफ पूरे देश में प्रथम बने रहने हेतु और गंभीरता से कार्य करने का आहवान भी किया।

उन्होंने कहा कि जिला के दुर्गम ईलाकों में समिति के कार्यकर्ताओं के साथ काम करने का मौका मिला।

समारोह में जिला विकास प्रबंधक राष्ट्रीय और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) डा. सोहन प्रेमी द्वारा समिति के समस्त प्रतिभागियों को उत्कृष्ठ कार्य हेतु शुभकामनाएं दी वहीं नाबार्ड की तरफ से ई शक्ति तथा स्वयं सहायता समूह, संयुक्त देयता समूह तथा बैंक लिकेंज के लक्ष्य को प्राथमिकता के साथ करने का आहवान किया तथा सभी समूहों के सदस्यों को सुक्ष्म बीमा से जोड़ने का भी प्रयास करने की अपील की गई।

समारोह में बीच–2 में समिति के कला जत्था के कलाकार साथियों ने कार्यक्रम को और अधिक रोचक बनाने में अहम भूमिका अदा की।

इसके उपरांत अध्यक्ष हिमाचल ग्रामीण बैंक द्वारा अपने शुभ संदेश में समिति के कार्यकर्ताओं को शुभकामना देते हुये जिला मंडी में हिमाचल ग्रामीण बैंक की किसी भी शाखा से संबंधित किसी भी प्रकार की मदद के लिए अपनी व अपने बैंक कर्मियों के सहयोग का आश्वासन भी दिया।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री अशोक ठाकुर मार्केटिंग मैनेजर भारतीय जीवन बीमा निगम शिमला द्वारा समारोह के सफल आयोजन के लिए समिति के तमाम पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं अर्पित की वहीं उन्होंने समिति के जुझारू कार्यकर्ताओं द्वारा किये गये उत्कृष्ठ कार्य हेतु बहुत बहुत बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि समिति के मेहनती कार्यकर्ताओं की वजह से शिमला मंडल सूक्ष्म बीमा में पूरे देश में अग्रणी स्थान बनाने में सफल रहा हैं।

उन्होंने समस्त अभिकर्ताओं से मंडी जिला के साथ साथ दूसरे जिलों में भी सूक्ष्म बीमा को प्रत्येक घर / परिवार तक पहुंचाने का आहवान किया। उन्होंने समारोह में सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुये सूक्ष्म बीमा के कार्य के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति व लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की मुहिम का अहम हिस्सा भी बताया। उन्होंने सक्रिय कार्यकर्ताओं के लिए अध्ययन भ्रमण अजमेर, माऊंटआबू, गुड़गांव व अंबाला में भी भारतीय जीवन बीमा की तरफ से भेजने का आहवान किया। उन्होंने समारोह के आयोजन हेतु मुवलिग **दो लाख** की राशि भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रदान करने की घोषणा भी की।

समारोह में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र मोहन द्वारा समिति के सभी कार्यकर्ताओं को सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर कार्य करने का आहवान करते हुये सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाने हेतु शुभकामनाएं दी वहीं गरीब से गरीब परिवार को सूक्ष्म बीमा से जोड़ने की मुहिम जारी रखने का आहवान किया। समारोह में मुख्य अतिथि, पदाधिकारियों द्वारा 1अप्रैल,2019 से 31 अगस्त 2019 तक सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में सक्रिय कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं, खंड समन्वयकों को सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही जिला में सबसे अधिक बीमा खाता खोलने वाले जिला के टॉपर श्रीमती दिलू देवी सहायक अभिकर्ता सराज जिन्होंने 537 बीमा खाते खोले है तथा श्रीमती लता देवी चौंतड़ा द्वारा 517 बीमा खाते खोले गए को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह में कुल 350 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

इस समारोह के बेहतर आयोजन व सूक्ष्म बीमा को और अधिक व्यापक स्तर पर चलाने हेतु जिला मंडी के समस्त अखबारों व चैनल वालों को विज्ञापन के माध्यम से भी प्रचारित किया गया। इस हेतु खर्चा भी भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रदान किया गया।

सम्मेलन हेतु लीफलेट, बैनर, होर्डिंग, स्लोगन,फोटो कालाज, स्मृति चिन्ह, डम्मी चैक इत्यादि सामग्री पर्याप्त मात्रा में प्रिंट करवाई गई और प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसमें स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों सहित सूक्ष्म बीमा के पोस्टर, लीफलेट, चार्ट इत्यादि भी प्रदर्शनी में लगाये गये थे।

अंत में समिति के अध्यक्ष श्री हेमंत राज वैद्य द्वारा समारोह के सफल आयोजन हेतु मुख्य अतिथि महोदय, भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारियों,अन्य गणमान्य व्यक्तियों, समिति के जुझारू सहायक अभिकर्ता साथियों को उत्कृष्ठ कार्यो हेतु बधाई व धन्यवाद भी दिया और समिति की पूरी टीम की तरफ से भविष्य में सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में और सक्रियता से कार्य करने का आश्वासन भारतीय जीवन बीमा निगम को दिया ।

समारोह में उपस्थित 350 प्रतिभागियों तथा भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारियों, अन्य गणमान्य व समिति पदाधिकारियों व प्रैस,प्रिंट व इलैक्ट्रानिक मिडिया के प्रतिनिधियों सहित 400 के करीब प्रतिभागियों ने भाग लिया

पुरस्कार प्राप्त करने वाले सहायक अभिकर्ताओं की फोटो

मंडी साक्षरता समिति ने नवाजे बीमा मित्र

<u>अध्ययन भ्रमण</u>

- सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतर कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं ने दिनांक 24 अक्तूबर,2019 को ZTC क्षेत्रिय प्रशिक्षण केन्द्र गुड़गांव में सदर, सुंदरनगर, धर्मपुर, गोपालपुर ,द्रंग व चौंतड़ा के 12 सहायक अभिकर्ताओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया।
- 7 नवंबर, 2019 को कार्यक्रम समन्वयक के नेतृत्व में बेहतर कार्य करने वाले 12 सहायक अभिकताओं जिनमें ज्यादातर बल्ह खंड से थे ने अमृतसर प्रशिक्षण में भाग लिया।
- मतदाता जागरूकता क्लब के लिये स्रौत व्यक्ति के रूप में दिनांक 28–29 नवंबर,2019 को दिल्ली में समिति के महासचिव भीम सिंह ने भाग लिया।

- **<u>हिपा से प्रशिक्षण हेतु टीमों का भ्रमणः–</u>** मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा हिपा शिमला से टीम का भ्रमण दिनांक 24 नवंबर,2019 को सदर खंड में अध्ययन करवाया गया हैं तथा 25 नवंबर को समिति कार्यालय में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित व जागरूक किया गया तथा समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न पंचायतों में किये गये विकास कार्यो की जानकारी जिसमें सामाजिक सुरक्षा, स्वंय सहायता समूह, आपदा प्रबंधन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं इत्यादि बारे जानकारी दी।
  - सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतर कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं के अध्ययन भ्रमण हेतु **12सितंबर,2019 को अजमेर प्रशिक्षण** में 68 प्रतिभागियों ने भाग लिया हैं।

- सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतर कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं के अध्ययन भ्रमण हेतु **7अक्तूबर,2019 को गुडगांव प्रशिक्षण** में 57 प्रतिभागियों ने भाग लिया हैं।
- सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतर कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं के अध्ययन भ्रमण हेतु **24अक्तूबर,2019 को गुडगांव प्रशिक्षण** में 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया हैं।
- सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतर कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं के अध्ययन भ्रमण हेतु **7 नवंबर2019 को अमृतसर प्रशिक्षण** में 11 प्रतिभागियों ने भाग लिया हैं।
- सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतर कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं के अध्ययन भ्रमण हेतु **24फरवरी,2020 को जयपुर प्रशिक्षण** में 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया हैं।
- सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतर कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं के अध्ययन भ्रमण हेतु **2मार्च,2020 को ज्वाला जी कांगड़ा प्रशिक्षण** में 115 प्रतिभागियों ने भाग लिया हैं।

संस्था के संसाधन का जरिया

क्र	परियोजना	लक्ष्य प्राप्ति	अवधि	राशि प्राप्त	संसाधन संस्था का नाम	परियोजना की स्थिति
1.	संपूर्ण साक्षरता अभियान	183000	1992-94	95.32lac.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार	पूर्ण
2.	उतर साक्षरता अभियान	82000	1995-97	72.33lac	–यथोपरि–	पूर्ण
3.	प्रजननस्वास्थ्य शिशु कार्यक्रम	20000	1998-2000	3.57lac	स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार	पूर्ण
4.	सतत शिक्षा कार्यक्रम	82000	1998-2005	3 crore	मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार	पूर्ण
5.	सर्वेक्षण अपंगों का		2001-02	2.96lac	जिला उद्योगकेन्द्र,मंडी	पूर्ण
6.	सर्वेक्षण कृषि विविधकरण परियोजना		2002-03	2.15lac	डीआरडीए,मंडी	पूर्ण
7.	पानी व स्चछता काय्रक्रम	10000	2002-03	15lac	सिंचाईविभाग,मंडी	पूर्ण
8.	प्राकृतिक जलस्रोतों का सरंक्षण	25000	2001-03	6.50lac	कपार्ट चंडीगढ़	पूर्ण
9.	स्वंय सहायता समूह गठन–लिंक	2000	2003-05	19-18lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
10.	संपूर्ण स्वच्छता अभियान/ स्वच्छ भारत अभियान	900000	2005-08	1.30crore	डीआरडीए	पूर्ण
11.	२०००स्वंय सहायता समूह हैंड होल्डिंग	20000	2006-07	10lac.	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
12.	२०००स्वंय सहायता समूह गठन	10000	2006-09	25 lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
13.	प्राकृतिक जलस्रोतों का सरंक्षण	10000	2006-08	13.47lac	कपार्ट चंडीगढ़	पूर्ण
14.	इक्को क्लब गठन	30000	2004-08	25000/-	विज्ञान–प्रौद्योगिकी	पूर्ण
15.	कैरियर काउसलिंग	15000	2006-07	2.lac	युवा एवम खेल मंत्रालय भारत सरकार	पूर्ण
16.	ग्रामीण विकास आंदोलन–पचायतों	20	2008	8.83lac	कपार्ट चंडीगढ़	पूर्ण
17.	गांव विकास कार्यक्रम–1	105 परिवार	2007-10	0.30lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
18.	गांव विकास कार्यक्रम–2	105 परिवार	2008-10	0.30lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
19.	गांव विकास कार्यक्रम–3	450 परिवार			नाबार्ड शिमला	पूर्ण
20.	१२००स्वंय सहायता समूह गठन	12000	2010-13	57 lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
21.	५००संयुक्त देयता समूह	2000	2011-14	10lac	नाबार्ड शिमला	बंद
22.	वित्तीय साक्षरता–२०० पंचायतें	200	2012-13	17 lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
23.	सुक्ष्म बीमा–भारतीय जीवन बीमा निगम शिमला	40000	2009 to onward		एलआईसी शिमला	आरंभ
24.	२०० किसान क्लब	10000	2010		नाबार्ड शिमला	बंद
25.	१००० महिला स्वयं सहायता समूह परियोजना	473 ग्राम पंचायते	2013	50 lac	नाबार्ड शिमला	बंद
26.	डिजिटिलाईजेशन सम्बन्धी परियोजना	8 विकास खंड	2016-20	36 lac	नाबार्ड शिमला	आरंभ
27.	किसान उत्पादक संघ	करसोग	2019-20		नाबार्ड शिमला	आरंभ
28.	किसान उत्पादक संघ	धर्मपुर	2019-20		नाबार्ड शिमला	आरंभ

कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह 23 जनवरी,2019

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा 23 जनवरी,2019 को विपाशा सदन भ्यूली में कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह आयाजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक मुबई ने बतौर भाग लिया तथा समरोह की अध्यक्षता उपायुक्त मंडी ने की। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक द्वारा सुक्ष्म बीमा में बेहतर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान किये। समारोह में मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के कार्यकारिणी, साधारण सभा सदस्या, भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारियों सहित समिति के सहायक अभिकर्ताओं, ऐनीमेटरों ने भाग लिया।

8मार्च,2019 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा 8मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन समिति कार्यालय के सभागार में किया गया जिसमें समस्त खंडों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं के अधिकारों के प्रति कार्यकर्ताओं को जागरूक किया गया।

हिपा से प्रशिक्षण हेतु टीमों का भ्रमण

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा हिपा शिमला से तीन टीमों का विभिन्न खंडों में अध्ययन करवाया गया हैं। जिसके दौरान समिति के पदाधिकारियों द्वारा प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित व जागरूक किया गया तथा समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न पंचायतों में किये गये विकास कार्यो की जानकारी जिसमें सामाजिक सुरक्षा, स्वंय सहायता समूह, आपदा प्रबंधन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं इत्यादि बारे जानकारी दी। इन टीमों का अध्ययन भ्रमण खंड सदर, बल्ह व द्रंग खंडों की पंचायतों में करवाया गया जहां पर टीम के सदस्यों द्वारा पंचायत प्रतिनिधियों से व समिति कार्यकर्ताओं से बैठक कर पंचायत के विभिन्न कार्यो बारे जानकारी प्रदान की गई।